शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
वर्ग - BA - III
दिनांक - 18-09-2020,

इन व्यापारियों ने पूर्वी देशों के साथ व्यापार के द्वारा अत्यधिक धन अर्जित किया।

1200 ई० से 1500 ई० के बीच यूरोप में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली व्यापारिक मेलों को भी यूरोपीय व्यापार के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। इटली के नगर वेनिस, पिसा एवं जिनेवा आदि व्यापार के प्रमुख केन्द्र थे। यूरोपीय तथा पूर्वी देशों के मध्य व्यापार का प्रमुख केन्द्र कुस्तुनतुनिया था। यूरोप के व्यापारी पूर्वी देशों से मसाले, हीरे, जवाहरात, रेशमी कालीन, सिल्क, सुगंधित वस्तुएं, औषधियां तथा चीनी आदि लाकर लाभ कमाते थे।

2) कुस्तुनतुनिया पर तुर्कों का अधिकार एवं भौगोलिक खोज => - धर्म युद्ध (क्रूसेड) के पश्चात हुई यूरोपीय व्यापारिक प्रगति को 1453 ई० में उस समय गहरा आघात लगा जबकि कुस्तुनतुनिया पर तुर्कों ने अधिकार कर लिया। इससे पूर्व

भारत एवं अन्य पूर्वी देशों से सामान समुद्री मार्ग से फ्रांस की खाड़ी तक आता था। इसके पश्चात स्थल मार्ग से कुस्तुनतुनिया होता हुआ यूरोप तक पहुँचता था। किन्तु तुर्की ने 1453 ई में कुस्तुनतुनिया पर अधिकार कर इस व्यापार मार्ग को यूरोपीय लोगो को बंद कर दिया।

इस समय तक यूरोपीय वासी चूँकि उपर वर्णित एशियायी भोगविलास की वस्तुओं एवं मसालों के आदी हो चुके थे। अतः स्थल व्यापारिक मार्ग बंद हो जाने के कारण नवीन समुद्री मार्ग की खोज आरंभ हुई। आवश्यकता आविष्कार की जननी है, यह कहावत इस समय पूर्णतः चरितार्थ हुई। कुतुबनुमा एवं एस्ट्रोलेब के अविष्कार ने समुद्री मार्गो के खोज को आसान बना दिया और अनेक कोलम्बस, मैगलन, अमेरिगो वेस्पुसी, बार्थोलोमियो डियास, एवं वास्कोडिगामा, जैसे साहसी नाविकों ने अपने शासको की प्रेरणा से समुद्री मार्ग द्वारा विश्व के लगभग सभी देशो को खोज निकाला।

इन भौगोलिक खोजों ने व्यापार के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन की। अब व्यापार मात्र इटली के नगरों तक सीमित न रहकर अन्तर्राष्ट्रीय हो गया। प्रारंभिक दौर में एशिया के साथ व्यापार में पुर्तगाल का एकाधिकार रहा किन्तु शीघ्र ही स्पेन, हॉलैण्ड, फ्रांस और इंगलैण्ड के व्यापारियों ने अपना प्रभुत्व स्थापित किया। इन भौगोलिक खोजों ने न सिर्फ व्यापार का क्षेत्र बढ़ाया बल्कि पूर्व में जिन-जिन वस्तुओं के व्यापार होता था। उन वस्तुओं की संख्या में भी वृद्धि हुई। यूरोपीय व्यापारियों ने विभिन्न देशों के विभिन्न वस्तुओं के व्यापार से अत्यधिक लाभ कमाया।

कोलम्बस ने अमेरिका की खोज कर स्पेन की समृद्धि मार्ग प्रशस्त किया। अमेरिका में सोने चाँदी जैसी बहुमूल्य

धातुओं की खानें थी जिनका स्पेन सहित अन्य यूरोपीय देशों ने भी दोहन किया। अमेरिका के रूप में स्पेन को एक ऐसा कल्पवृक्ष प्राप्त हुआ जिसने यूरोप में स्पेन यूरोप को एक प्रगतिशील व उन्नत देशों के श्रेणी में ला दिया। इंका और एजटेक सभ्यताओं की खजाने की स्पेनवासियों ने लूटकर समृद्धि प्राप्त की। यूरोपवासी सोना चाँदी प्राप्त कर समृद्धि प्राप्त करने लगे। इन विभिन्न खोजों के फलस्वरूप जिस तेजी के साथ व्यापार के क्षेत्र में प्रगति हुई। उसी तेजी से व्यापारियों ने आर्थिक समृद्धि की। यह निःसंदेह व्यापार के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी प्रगति थी। इसी कारण इसे यूरोपके इतिहास में व्यापारिक क्रांति का नाम दिया गया। इसे वाणिज्यिक क्रांति भी कहा जाता है।